

र् यु.री. रे.तर्थे. यो.र.तु विदेशक्ष विदेश योगर क्योग हु ह स्योग तह सूर खेबोन तह सुर खेबोन तह सुर दे हु रेन क्रियाचानुद्र र्यात्र द्यद्येद्र स्वर्याद्र ३ सेनेयद्यद्येवन्य न्यायाद्वेद नेयायाद्वेद नेयायुद्र स्वर्याद्वेद स्वर्याद्वेद स्वर्याद्वेद स्वर्याद्वेद स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्ये स्वर्ये स इट. वारेप्त्र्त्र्वमा त्वेत्र क्र्यम्पीयमा क्रीय करमाय न द्रमुन्य प्रमाय न द्रम्य विद्याप्त क्रिया विद्या प्रमाय न द्रम्य विद्या प्रमाय न द्रम्य विद्या विद् विश्वर विश्ववयविष्य विश्व के अं अर्देश राज्य अर्द्द की अर्द की अर्द्द की अर्द की अर्द्द की अर्द की अर्द की अर्द की अर्द्द की अर्द्द की अर्द की अर्द्द की अर्द की अर्द्द की अर्द की अर्

4 4 4 A	स्वात्स्य त्वारा प्रावित्त स्ति । स्ट्रिस स्ति । स
	या प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त क्रिय क्रिय क्षिय क्षिय क्षिय क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य स्वाप्त क्ष्य क्ष

च्छी-र्जूसायवासास् देश संस्थान्य स्थान स्

ब्रूट्यवरणवण्ययः हेर्न्येट्यप्रवार्च्यावस्य वार्ष्यः देव्यावण्य प्रायः हेर्न्येट्यावहिस्याविस्य वार्ष्यः हेर्

यिवायबरायः बेस्टरहेवासाररार्वेयाद्वेरः हेस्यवायबरायः राक्क्यहेवासाररार्वेयाद्वेरः रेवाळेवायवहरायः

रद्येलक्षेर भन्नाविवातम्हरायः स्वार्दवाहेवायर स्वार्ववाक्षेर अवस्त्रीविवातम्हरायः तद्युरावस्यावस्यस्य स्वार्विक विस्वायस्य स्वार्वे स्वायाः पासियातक्ताजुई मुँग्राप्तराय्वेदास्याय्वेदास्यात्वेदास्याय्वेदास्याय्वेदान्त्र क्षेत्रायक्ताय्वेदान्त्र स्वायायक्तावेदान्त्र स्वायायक्तावेद्वायक्तावेदान्त्र स्वायायक्तावेदान्त्र स्वायायक्त्र स्वायायक्तावेद्यायक्त्यक्तावेद्यायक्यायक्तावेद्यायक्तावेद्यायक्तावेद्यायक्तावेद्यायक्तावेद्यायक्तावे विदेशिक्षण्यूर्थाङ्ग्रीक्ष्यक्ष्यके प्रवादर्श्वर विद्याक्षित्र विदेश क्षेत्र विदेश क्षेत्र क्षेत्र विदेश विद विश्वायवासेन्यसः व्याप्रस्ट्येद्व्यन्यस्त्रुन्ने स्र्वास्ट्रम्यक्षित्रः स्वायः कुस्यः स्वायवायः स्वायव्ययः स्व

नश्चेर श्चेर श्चेर हैं । से देश त्राचाल त्राच्य १ १ से देश हैं वा देश सक्त हैं । से वा त्राच्य स्थेर श्वेर से वा त्राच्य से विकास से विता से विकास से विकास से विकास से विकास से विकास से विकास से विकास

इ.इ.राक्टर.रट.जैयार्याता के फे.ज्यार्यार्थाश्रीयक वहवात्व्यावार्ष्ट्रात्रार्थ्यायक्षेत्रक वाज्ञीयक्षेत्रके

सुन्दन्तुभावर्षरःभ्रथयःयायवाशः हंदाचञ्चरायःद्वाञ्चरःक्याभ्रथशः वायदःचरःदेशःद्दःवादेरःवाद्वनःश्वः वायदःचरुःचञ्चवायःविदःञ्चःयाचञ्चयशः

र्वे दिवरकीय वर्षा ये दिवरक्ष स्वापन के वर्ष स्वर्थ से दिवर विष्य के दिवर विषय के दिवर के विषय के विषय

क्रिंग चल्चित्र संह्वा काराव्या पायन वारा क्रिंग हैं स्वार्त्र ने स्वार्त्य ने स्वार्थ क्रिंग चल्चित स्वार्थ क्रिंग स्वार्थ क्रिंग स्वार्थ क्रिंग चल्चित स्वार्थ क्रिंग स्वार

	II ——	র্ম বন্দবাশঃ বার্বের আন্তরের নাইবারীন বৃষ্ণঃ মীনিষামার বান্দ্রন নুষ্ণঃ মহার মৌর নাই নাই নামান বাধান বাংলা ইবা শ্রীন ক্র
מג	2	क्ष्याकार्यात् वर्ष्ट्र विद्यात् क्ष्यात् वर्ष्ट्र क्ष्यात् क्ष्यत् व्यत्
	4	कुर्यत्रभेरि रिक्तात्र्यरात्रे क्रुवाना सेवाना रिया प्रश्नार है ऐसना क्रवा हैना से सम्बन्धा है हैं है

स्थापर पश्ची विर्वे र्या र्या प्रति प्रशिय पर्वे रश्ची स्थ प्राप्ति र इसम्बर्धरम्बुः हुँ अराम्बूर्णी गाम्यायर हे रीम्बुरायमु लान्त्रेयान्त्रवायान्त्रियन्त्रम् द्वीत्यक्ष्यः द्वीदः स्त्रम् अवायोन् यने

त्वुर पति तिर्दर पति र सूर पति । **३.**चर्द्धर.र्थात्रम् एवर्चेर.यपु.र्ख्यक र्ग्रीय वर्षेत्र सुर्वे स्वाय स्वयाय द्यान स्नार । বিষশকার্থিয় প্রবিদ্ধর রাষ্ট্র प्रकार्भेर न्यत्वाकार्क न्याप्तर साहूर है वाक्ष्य प्रवाहर स्था के हैं है है है है है है वाक्ष्य प्रवाहर प्रवाहर के वर पश्चर प्रवाहर प्रवाहर के वर पश्चर प्रवाहर के वर प्रवाहर के वर पश्चर प्रवाहर के वर प्रवाहर के वर पश्चर प्रवाहर के वर के वर प्रवाहर के वर के वर प्रवाहर के वर के वर प्रवाह के वर के वर प्रवाहर के वर प्रवाहर के वर के वर के वर के वर के वर के वर के

विष्रम्भ क्रियाया स्थाप्त विष्या मित्रा मुर्ग स्थापा विष्टा पा स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स्

	24-22
۵	TE US
	Z

्रयाचञ्चरः श्रीवायिष्ठयाच्यास्यायात्वयश्च इयाचेंत्यायव्ययात्वेंवाध्यायंत्र्यश्च विषयययेषावश्चरविश कुँश देवास्त्रवे पूर्वि क्षियरत्व्ययरस्य त्यान्यक्ष त्युराव से भेष्ट्रेत्र से प्रीय त्ये राष्ट्रेत्य स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप से विद्या से स्थाप स्थाप से स्था से स्थाप से स्था वाहस्रका नेवारमाध्येक क्रिंदासे क्रिंदा से द्वीयाय वर्ष स्वावा स्वावा प्रमाण क्षेत्र त्या स्वावा स्व रद्मियानुदस्यानेश्वराष्ट्रेयाचेत्राकेत्रर्भेद्रपतिः इत्यावर्नेदानेशः वर्षद्वयायायायायायायायायाने इत्यादानेश्वरा

বহনটোনঃ বাদনেবাদনেবিদ্যরবদারীয়কঃ এর্ট্রনেপ্রকাশ্বীপ্রমুশনেবই ক্রান্তাপিপ্রমুশনের্মুশনেবাশ্বীদার শ্রীপ্রমুশন প্রমুশন প वाब्यक्रियम् देश्वीत्श्वाम्बर्धातम्यम् वर्षोचितिर्देवानुप्रवाक्षयायार्थवायदेवयः वर्षायार्थित्वावीत्रावीत्राचीत्रः वर्षायार्थे वर्षायार्थेत्रः वर्षायाः वर्षायः वर्षायाः वर्षायः , মান্তর ইবামানর মনমান্ত্র মান্তর প্রতির প্রতির কর্মান মন্ত্র মানর মান্তর মান্ত क्षे विर ६ श्वरायाद्वयार्ह्म्याराज्य स्थान्त्र द्वा ६ यद्याद्द यद्यायायद्वेयार्ह्म्यायात्वेश स्ट द्वायायेत्रेश सद्व स्थाप्त स्थापत स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स क्तर्या ह्वाबाबरशक्तिरार्द्ध वात्रात्मक वनक्ष क्षेष्ठ बुबानायद्वराष्ट्रीयने स्वार्यन्यक्षिणाद्रातिवायवेरायद्वराष्ट्रवायव्यक्षिराद्ध वात्रात्व वात्राव्य विद्यायाय्यक्षिराव्य विद्यायाय्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षित्रविद्यायाय्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिरायाय्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षित्रविद्यायाय्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिरायाय्यक्षिराव्यक्षिरायाय्यक्षिराव्यक्षिराव्यक्षिराय्यक्षिराव्यक्षिरायाय्यक्षिराय्यक्षिराय्यक्षिरायायाय्यक्षिरायाय्यक्षिरायाय्यक्षिरायाय्यक्षिरायाय्यक्षिरायाय्यक्षिरायाय्यक्षिरायाय्यक्षिरायाय्यक्षिरायाय्यक्षिरायाययविद्यक्षित्रयम्